अं० शि० -साजन कुमार
एस.बी.एस.एस.
कॉलेज बेगूसराय

चतुर्थ प्रश्न पत्र
भू धातु लुट् लकार
उत्तम पुरुष

उत्तम पुरुष — भवितास्मि - भवितास्वः - भवितास्मः

7) भवितास्मि (उत्तम पुरुष एकवचन)

:) अनद्यतने लुट्' से लुट् लकार - भू + लुट्
:) लुट् के अनुबंधो को हटाने पर - भू + ल्
:) कर्त्ता के उ० पु० एकवचन की विवक्षा में - भू + मिप्
:) स्यतासीलृलुटोः' से तासि' का विकरण - भू + तासि + मिप्
:) 'तासि' के 'इ' की इत्संज्ञा व लोप - भू + तास् + मिप्
:) आर्धधातुकस्येड्वलादेः' से 'इट्' का आगम - भू + इतास् + मिप्
:) सार्वधातुकार्धधातुकयोः' से इगन्त 'भू' को गुण - भो + इतास् + मिप्
:) एचोऽयवायावः' से ओ' को अव् - भव् + इतास् + मिप्
:) मिलाने पर — भवितास् + मिप्
:) 'मिप्' के 'प्' की इत्संज्ञा व लोप - भवितास् + मि
:) मिलाने पर रूप सिद्ध - भवितास्मि

8) भवितास्वः (उत्तम पुरुष द्विवचन)

⇒ 'अनद्यतने लुट्' से लुट् लकार - भू + लुट्
⇒ लुट् के अनुबंधो को हटाने पर - भू + ल
⇒ कर्ता के उ० पु० द्विवचन की विवक्षा में - भू + वस्
⇒ 'स्यतासीलृलुटोः' से तासि का विकरण - भू + तासि + वस
⇒ 'तासि' के 'इ' की इत्संज्ञा व लोप - भू + तास् + वस
⇒ 'आर्धधातुकस्येड्वलादेः' से 'इट्' का आगम - भू + इतास् + वस
⇒ 'सार्वधातुकार्धधातुकयोः' से इगन्त 'भू' को गुणादेश - भो + इतास् + वस
⇒ 'एचोऽयवायावः' से 'ओ' को अव् - भव् + इतास् + वस
⇒ मिलाने पर — भवितास + वस
⇒ 'वस्' के 'स' की इत्संज्ञा लेकिन 'न विभक्तौ तुस्माः' से निषेध - भवितास + वस
⇒ मिलाने पर — भवितास्वस
⇒ 'ससजुषोरुः' से 'स' को रु (र्) - भवितास्वर्
⇒ 'खरवसानयोर्विसर्जनीयः' से 'र्' को विसर्ग - भवितास्वः
⇒ इस प्रकार रूप सिद्ध — भवितास्वः

Scanned with CamScanner

4) भवितास्मः (उत्तम पुरुष बहुवचन)

=) अनद्यतने लुट् से लुट् लकार - भू + लुट्
=) लुट् के अनुबंधों को हटाने पर - भू + ल्
=) कर्त्ता के उ० पु० बहुवचन की विवक्षा में - भू + मस्
=) स्यतासीलृलुटोः से 'तासि' का विकरण - भू + तासि + मस्
=) तासि के 'इ' की इत्संज्ञा व लोप - भू + तास् + मस्
=) आर्धधातुकस्येड्वलादेः से 'इट्' का आगम - भू + इतास् + मस्
=) सार्वधातुकार्धधातुकयोः से इगन्त 'भू' को गुण - भो + इतास् + मस्
=) एचोऽयवायावः से 'ओ' को अव् - भव् + इतास् + मस्
=) मिलाने पर - भवितास् + मस्
=) 'मस्' के 'स' की इत्संज्ञा, न विभक्तौ तुस्माः से निषेध - भवितास् + मस्
=) मिलाने पर - भवितास्मस्
=) ससजुषोरुः से 'स' को रु (र्) - भवितास्मर्
=) खरवसानयोर्विसर्जनीयः से 'र्' को विसर्ग - भवितास्मः
=) इस प्रकार रूप सिद्ध हुआ - भवितास्मः

Rajan

Scanned with CamScanner